सत्रीय कार्य के संबंध में सूचना

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 10 अप्रैल 2017

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.जे.एम.सी)

सत्र : 2016-17, दवितीय वर्ष

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	MJMC - 06	दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि
2	MJMC - 07	विकासात्मक जनसंचार
3	MJMC – 08	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
4	MJMC – 09	मुद्रण प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन
5	MJMC - 11	परियोजना (कार्य प्रोजेक्ट)

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र) भारत

संपर्क : दूरभाष - 07152-

नोट - सभी विद्यार्थी सत्रीय कार्य अंतिम तिथि तक संबंधित केंद्र जहां कि विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है, अवश्य जमा कर दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 10 अप्रैल 2017, सायं 05:00 बजे तक

सत्रीय कार्य (Assignment) 2016-17

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	MJMC - 06	दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि
2	MJMC - 07	विकासात्मक जनसंचार
3	MJMC – 08	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता
4	MJMC – 09	मुद्रण प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन
5	MJMC - 11	परियोजना (कार्य प्रोजेक्ट)

सत्रीय कार्य का प्रारूप -

दूरशिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उपरोक्त विषयों के सत्रीय कार्य पूर्ण करने हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए निम्नलिखित प्रारूप में सत्रीय कार्य (चार लघु उत्तरीय व एक दीर्घ उत्तरीय कार्य) करना होगा -

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी 1/2016-17 कुल अंक : 30 (20+10)

1- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04,
प्रत्येक हेतु अधिकतम अंक 05 अर्थात (04 × 05 = 20)

2- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01,
अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)

नोट - सभी विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि निर्धारित प्रारूप में सत्रीय कार्य का लेखनकार्य केंद्रित विषय पर दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा उपलब्ध करवायी गई पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात करेंगे । यह सत्रीय कार्य पाठ्य सामग्री, अन्य पुस्तक व संदर्भ द्वारा विकसित समझ और ज्ञान के आधार पर लिखेंगे। इस लेखन में विषयवस्तु के अंतर्गत ऐतिहासिक संदर्भ, अवधारणात्मक पहलू , समकालीन स्थितियों के साथ विभिन्न दृष्टिकोण, आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य और विश्लेषण का समावेश हो तथा उदाहरण सहित उल्लिखित किया जाना चाहिए जिससे विषय की प्रासंगिकता स्पष्ट दिखे ।

सत्रीय कार्य हेतु निर्देश -

१- **सत्रीय कार्य लेखन के प्रथम पृष्ठ पर अध्ययन केंद्र का नाम, पाठ्यक्रम कोड, पाठ्यक्रम का नाम, अनुक्रमांक, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र/विषय/शीर्षक का नाम निम्नलिखित प्रारूप में लिखेंगे ।**

२- **अपना नाम, दर्शाया गया/पत्राचार का पता, दिनांक सहित हस्ताक्षर अवश्य उल्लेखित कीजिए ।**

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.जे.एम.सी)

सत्रीय कार्य सत्र : 2016-17, द्वितीय वर्ष

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

अध्ययन केंद्र का नाम - .....

पाठ्यक्रम कोड - .....

पाठ्यक्रम का नाम - .....

अनुक्रमांक - .....

सत्रीय कार्य/विषय का नाम - .....

अभ्यर्थी का नाम - .....

पता - .....

.....

.....

दिनांक -

स्थान -

हस्ताक्षर

(विद्यार्थी का नाम)

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर
(एम.जे.एम.सी)
सत्र : 2016-17 द्वितीय वर्ष

1	MJMC - 06	**दृश्य-श्रव्य जनसंचार प्रविधि** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- आकाशवाणी की विभिन्न प्रसारण सेवाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। 2- कार्यक्रम निर्माण के संदर्भ में स्टूडियो रिकार्डिंग तकनीक एवं प्रक्रिया को समझाइए । 3- टेलीविजन निर्देशन की तकनीक पर प्रकाश डालिए और निर्देशकीय शैली के तत्वों की व्याख्या कीजिए। 4- सामाजिक विकास में टेलीविजन अपनी भूमिका किस प्रकार अदा कर सकता है। स्वतंत्र टिप्पणी कर अपने विचार लिखिए। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- टेलीविजन इतिहास के परिदृश्य को वैश्विक क्रम को दर्शाएं। प्रौद्योगिकीय परिवर्तन से सूचना जगत में टेलीविजन की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए।

2	MJMC - 07	**विकासात्मक जनसंचार** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- विकासात्मक संचार के क्षेत्रों को चिन्हित कीजिए । विकास के मापदण्डों पर संचार की भूमिका पर अपने विचार दीजिए। 2- जनसंचार माध्यमों ने हमारी जीवन शैली में किस प्रकार के परिवर्तन लाए हैं ? एक मूल्यांकित टिप्पणी कीजिए । 3- जनसंचार माध्यमों द्वारा एक सामाजिक उन्नति के मार्ग की रूपरेखा किस प्रकार की जा सकती हैं ? 4- सूचना प्राद्योगिकी अधिनियम की समीक्षा कीजिए । **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 5- वर्तमान पत्रकारिता में विकासात्मक सैद्धांतिकी की तस्वीर कैसी हैं ? विकास के प्रमुख सिद्धांतों की विवेचना कर पत्रकारिता की भावी रूपरेखा सृजित कीजिए।

3	MJMC – 08	**ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- कुशल ग्रामीण विकास के लिए जनमाध्यम किस प्रकार उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं ? 2- ग्रामीण जनसंचार में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रभाव किस प्रकार के परिवर्तन ला रहे हैं ? 3- ग्रामीण पत्रकारिता के अवरोध क्या होते है? ग्रामीण सूचना संचार हेतु रेडियो की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। 4- भारत के प्रमुख लोक जनमाध्यमों की स्थिति और प्रभावों पर प्रकाश डालिए। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 5- भारत में पर्यावरणीय चेतना और संरक्षण की दृष्टि से विभिन्न जनमाध्यमों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

4	MJMC – 09	**मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- डैक्स टॉप पब्लिशिंग के संयोजन को स्पष्ट कीजिए। 2- समाचार समितियों के प्रबंधन और कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। 3- विज्ञापन और बाजार के दबाव में पत्रकारिता का स्वरूप किस प्रकार बदल रहा है ? 4- वर्तमान समय में प्रेस परिषद की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी कीजिए। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- समाचारपत्र के प्रबंधन की संरचना और संगठन पर प्रासंगिक टिप्पणी कीजिए।
	MJMC – 11	**परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)** • **यह एक लघु शोध परियोजना कार्य है। इस कार्य को पाठ्यक्रम में दिए गए प्रश्नपत्र और पाठ्य सामग्री जनसंचार शोध प्रविधि के अंतर्गत विकसित समझ के आधार पर पूरा किया जाएगा। साथ ही चयनित विषय के अनुसार उपयुक्त शोध प्रविधि का प्रयोग भी किया जाएगा।** • **परियोजना कार्य के विषय चयन के समय उसकी प्रासंगिकता का ध्यान अवश्य रखें।** • **शोध परियोजना कार्य का लेखन विस्तारपूर्वक, विश्लेषणात्मक**

		तरीके से प्रत्येक विषय के अनुसार क्रमबद्ध तरीके से लिखा जाता है। विश्लेषण के पश्चात निष्कर्ष और संदर्भ भी लिखा जाएगा। • **यदि विषय चयन से संबंधित कोई समस्या हो तो आप संबंधित केंद्र/दूर शिक्षा निदेशालय/पाठ्यक्रम संयोजक से ई-मेल से संपर्क कर सकते हैं।**